कण कण में ॐ समाया है

कण कण में ॐ समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है,
प्रभु कैसी तुम्हारी माया है,
कभी गणपति में ओम कभी गौरा में ओम,
रिद्धि सिद्धि में ओम समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है,
कण कण में ॐ समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है.....

कभी ब्रह्मा में ओम कभी विष्णु में ओम,
कभी भोले में ओम समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है,
कण कण में ॐ समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है.....

कभी गंगा में ओम कभी जमुना में ओम,
कभी लहरों में ओम समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है,
कण कण में ॐ समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है....

कभी राम में ओम कभी श्याम में ओम,
हनुमत में ओम समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है,
कण कण में ॐ समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है.....

कभी सूरज में ओम भी चंदा में ओम,
तारों में ओम समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है,
कण कण में ॐ समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है....

कभी गीता में ओम कभी भागवत में ओम,
कभी वेदों में ओम समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है,
कण कण में ॐ समाया है प्रभु कैसी तुम्हारी माया है.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29692/title/kan-kan-me-om-samaya-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |